हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर को बना रहे मजबूत: CM

सीएम रेखा गुप्ता ने मेडिकल जेनेटिक्स वॉर्ड, लेक्टेशन मैनेजमेंट यूनिट और न्यूक्लिक एसिड एम्प्लीफिकेशन टेस्टिंग (NAT) लैब का शुभारंभ किया

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एलएनजेपी अस्पताल मे मेडिकल जेनेटिक्स वॉर्ड, लेक्टेशन मैनेजमेट यूनिट और न्यूक्लिक एसिड एम्प्लीफिकेशन टेस्टिंग (NAT) लैब का शुभारम्भ किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल स्वास्थ सेवाओ की शुरुआत नही बल्कि राजधानी के मेडिकल स्ट्रक्चर को मजबूत करने की दिशा मे बड़ा कदम है। इस अवसर पर दिल्ली के कैबिनेट मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार को विरासत मे जो मेडिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर मिला है, वह बहुत ही चिंताजनक है। पिछली सरकार ने 10 सालो मे स्वास्थ्य सेवाओ के नाम पर सिर्फ दिखावा किया और आज हालात यह है कि हर 1000 जनसख्या पर एक भी बेड उपलब्ध नही है। उन्होने आगे कहा कि डब्ल्यूएचओ के मानक के अनुसार, प्रति 1,000 व्यक्तियो पर कम से कम दो अस्पताल बेड होने चाहिए, लेकिन दिल्ली सरकार ने इसे अगले पांच साल मे प्रति 1,000 नागरिको पर कम से कम 3 बेड की उपलब्धता का संकल्प लिया है।

रेखा ने कहा कि दवाओ की कमी को खत्म करने के लिए एक सेंट्रलाइज्ड और पारदर्शी दवा खरीद सिस्टम लागू किया गया है। स्टाफ की कमी को दूर करने के लिए डॉक्टरों, नर्सो, पैरामेडिकल स्टाफ और बाकी सहायक कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए है। इसके अलावा मशीनों की कमी पर चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी के कई अस्पतालों मे आज भी MRI और CT स्कैन जैसी बुनियादी सुविधाएं मौजूद नही है, जो बहुत चिंताजनक है।

CM ने की LNJP में तीन अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं की शुरुआत

उन्होंने यह भी कहा कि कुछ MRI मशीनों के सहारे पूरी दिल्ली का संचालन किया जाना शर्मनाक है लेकिन सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि आने वाले समय मे सभी आवश्यक तकनीकी संसाधन अस्पतालों मे उपलब्ध हो। सीएम ने कहा कि आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना, वय वंदन योजना और जन आरोग्य मंदिर जैसी सुविधाएं दिल्ली मे शुरू की जा चुकी है। लेकिन अब समय आ गया है कि सभी मेडिकल संस्थानो को एक इंटीग्रेटेड हेल्थ सिस्टम मे जोड़ा जाए, जहां प्राइमरी, सेकेंडरी और टर्शरी स्वास्थ्य सेवाएं एक-दूसरे से मिलकर काम करे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के 100 दिन पूरे होने पर हमने जनता के हित मे कई नीतिगत निर्णय लिए है। चाहे वह दवाओ की उपलब्धता हो, स्टाफ बहाली हो, या अस्पतालो मे बेहतर वर्किंग एनवायरनमेंट सुनिश्चित करना हो, हमने हर मोर्चे पर काम शुरू कर दिया है।

LNJP: जेनेटिक बीमारियों की पहचान से कैंसर के इलाज तक के लिए नए वॉर्ड

दिल्ली के लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल में मेडिकल जेनेटिक्स विभाग, लेक्टेशन मैनेजमेंट यूनिट और न्यूक्लिक एसिड टेस्टिंग (NAT) की शुरुआत की गई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उनकी शुरुआत की है। पहली बार दिल्ली सरकार के अस्पताल में जेनेटिक जांच और इलाजः देशभर में मेडिकल काउंसिल से जुड़े कॉलेजों में यह चौथा और दिल्ली का पहला ऐसा अस्पताल है जो रेयर और जटिल जेनेटिक बीमारियों की सटीक जांच और इलाज की सुविधा देगा। जेनेटिक्स वॉर्ड में 16 बेड्स हैं और यहां पर जेनेटिक मशीन भी है। जांच और इलाज दोनों की सुविधा यहां पर उपलब्ध होगी। यह विभाग जन्म से लेकर वृद्धावस्था तक जीन से जुड़ी बीमारियों की पहचान और इलाज करेगा। डीएनए परीक्षण, क्रोमोसोम विश्लेषण, मेटाबोलिक स्क्रीनिंग जैसे आधुनिक टेस्ट अब यहीं संभव हैं। इससे गर्भावस्था के दौरान भी बीमारियों की पहचान कर इन-यूटेरो (गर्भ में ही) इलाज की राह खुलती है।

मेडिकल जेनेटिक्स वॉर्ड

आनुवंशिक बीमारियों की पहचान से लेकर कैंसर का पर्सनलाइज्ड इलाज

जेनेटिक्स विभाग कैंसर मरीजों को पर्सनलाइज्ड मेडिसिन यानी व्यक्तिगत इलाज की भी सुविधा देगा। ट्रांसजेंडर और डिसऑर्डर ऑफ सेक्स डिफरेंटशिएशन (DSD) से जूझ रहे मरीजों के लिए यह मददगार साबित होगा। रेयर डिजीज के लिए यह देश का दूसरा केंद्र है, जिसे सेंटर ऑफ एक्सिलेंस से जोड़ा गया है। इससे लगभग 2.6 लाख नवजातों को थायरॉयड जैसी बीमारियों से बचाया जा सकेगा।

इस विभाग की खास बातें

- यह देश में ऐसा चौथा और दिल्ली में पहला केंद्र है
- यह देश का दूसरा केंद्र है जिसे रेयर बीमारियों के लिए सेंटर ऑफ एक्सिलेंस से जोड़ा गया है
- यह विभाग जन्म के समय की बीमारियों जैसे थायरॉयड और अन्य समस्याओं को पहचान कर हर साल लगभग 2.6 लाख बच्चों को फायदा पहुंचा सकता है
- अनजान बीमारियों की पहचान और प्रेग्नेंसी में गंभीर बीमारियों की रोकथाम के लिए जीन जांच करता है
- ट्रांसजेंडर मरीजों या लैंगिक पहचान की समस्या वाले लोगों के इलाज में मदद करता है
- कैंसर की पहचान कर खास इलाज (पर्सनलाइज्ड मेडिसिन) तय करता है
- भविष्य में जीन थेरेपी और मोनोक्लोनल थेरेपी जैसी तकनीकों से इलाज संभव होगा
- गर्भ में ही इलाज (इन-यूटेरो थेरेपी) में यह विभाग फेटल मेडिसिन के साथ मिलकर काम करेगा
- यह सुविधा गर्भ के बच्चे से लेकर बुजुर्गों तक सभी के लिए उपयोगी है

लेक्टेशन मैनेजमेंट यूनिट

नवजातों के लिए मां का दूध बनेगा जीवनरक्षक

लेक्टेशन मैनेजमेंट यूनिट (LMU) नवजातों के लिए बेहद फायदेमंद साबित होगी। यह यूनिट विशेष रूप से प्रीमैच्योर (समय से पहले जन्मे बच्चे), कम वजन और गंभीर रूप से बीमार बच्चों को मां का दूध उपलब्ध कराएगी। ह्यूमन मिल्क बैंक की व्यवस्था भी की जाएगी। इससे सेप्सिस, नेक्रोटाइजिंग एंटरोकॉलाइटिस जैसी जानलेवा बीमारियों से नवजात बच्चों की रक्षा की जा सकेगी। ब्रेस्ट फीडिंग के लिए जागरूक भी किया जाएगा।

इस यूनिट की खासियत

- समय से पहले जन्मे, कम वजन और बीमार बच्चों को मां का दूध उपलब्ध कराता है
- मां और बच्चे के रिश्ते को मजबूत करता है और ब्रेस्ट फीडिंग को बढ़ावा देता है
- दूध की रुकावट और चेस्ट में सूजन जैसी समस्याओं के बचाव के उपाय और इलाज यहां मिलता है
- अगर यह पूरी दिल्ली में लागू हो तो हर साल लगभग 50,000 बच्चे फायदा उठा सकते हैं

ब्लड ट्रांसफ्यूजन अब और सुरक्षित, दिल्ली में पहली बार NAT तकनीक

LNJP और दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में अप्रैल 2025 से NAT (न्यूक्लिक एसिड टेस्टिंग) तकनीक की शुरुआत की गई है। यह तकनीक एचआईवी, हेपेटाइटिस 'बी' और 'सी' जैसी बीमारियों को ब्लड में मौजूद उनके जेनेटिक मटेरियल के जरिए शुरुआती चरण में ही पहचान लेती है। अभी डोनेशन के ब्लड की जांच में 40 से 45 दिन लगते हैं। इस टेस्ट से ब्लड के आरएनए और डीएनए की जांच तुरंत हो सकेगी, इंफेक्शन का तुरंत पता चल सकेगा। डोनर और मरीज को ब्लड चढ़ाया जा रहा है, उसे भी फायदा मिलेगा। यह दिल्ली सरकार के अस्पतालों में पहली बार हुआ है। 3 लाख ब्लड डोनर अब और अधिक सुरक्षित होंगे।